वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 | अंक-46 | सागवाड़ा,रविवार,30 अक्टूबर, 2022 | भाषा : हिन्दी ई-पेपर | अवधि:(वार्षिक) | मूल्य-10 रु. | पृष्ठ-8

शहर के पांच तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द ही शुरू होगा

- आरयूआईडीपी और एशियन डेवलपमेंट बैंक के अधिकारियों ने ली बैठक

- शहर के पांच तालाबों के सौंदर्यीकरण और पुनर्वास कालोनी खेल मैदान का विकास को लेकर ली जानकारी

सागवाड़ा। शहरवासियों के लिए एक अच्छी ख़बर है । शहर के पांच तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द ही शुरू होने वाला है। इसके साथ ही पुनर्वास कालोनी के खेल मैदान का भी विकास होगा। आरयूआईडीपी और एशियन डेवलपमेंट बैंक के अधिकारी शनिवार को सागवाडा पहुंचे और बैठक ली। राजस्थान नगरीय आधारभूत परियोजना की टीम के सामाजिक विशेषज्ञ राजीव शर्मा और सुजीत शरण के साथ अन्य सदस्य द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोडनीया और उपाध्यक्ष राजू मामा शेख के साथ बैठक की। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता लोकेश पाटीदार ने टीम के द्वारा सागवाडा के लिए प्रस्तावित जल आपूर्ति सीवरेज प्लांट एवं तालाब के सौंदर्यीकरण के प्रस्तावित परियोजना से अवगत कराया गया। टीम सदस्यों द्वारा बताया गया कि शहर के कुछ वार्डों में भ्रमण किया जाएगा एवं परिवारों से वर्तमान जलापूर्ति की स्थिति एवं सामाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण भी किया जाएगा। शहर में निवासरत एपीएल एवं बीपीएल परिवारों से संपर्क किया जाएगा साथ ही सागवाडा में पर्यटन और रोज़गार के सम्बन्ध में भी सर्वे होगी। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अनुरूप सागवाड़ा शहर को आरयूआईडीपी के चौथे पेज में शामिल किया गया था। दोनों कार्यों का सर्वे और डीपीआर का काम पूरा कर लिया गया है। शहर में पेयजल और सीवरेज के लिये 100 करोड़ का टेंडर पहले ही लग गया है।

तालाबों के किनारे वोकिंग टेक, गार्डन और फाउंटेन

शहर के इन पांचों तालाबों के विकास का प्लान तैयार है। सबसे पहले जल आवक मार्ग से अवरूद्ध हटाते जाएंगे और तालाबों को गहरा किया जाएगा। तालाब के पास वोकिंग टेक, गार्डन और फाउंटेन लगाए जाएंगे। लाइटिंग और पाल का सुदृढ़ीकरण होगा।

इन तालाबों की सुधरेगा दशा

सागवाड़ा शहर के पांचों तालाब दुर्दशा के शिकार हैं। तालाब जलकुंभी और गंदगी से अटे पड़े हैं। लोहारिया, मसाणिया, गमलेश्वर, हरियाला और बोलियां तालाब की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया ने बताया कि तालाबों का सौंदर्यीकरण चुनाव का प्रमुख वादा था। इसी लिये इस कार्य की मुख्यमंत्री से भेंट में घोषणा कराई गई। आरयूआईडीपी के चौथे पेज में इस कार्य को स्वीकृति मिली है।

सामाजिक एकजूटता, सौहार्द, भाईचारे और समरसता के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती- खोडनिया

18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह

सागवाड़ा । 18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी दिनेश खोड़निया की पहल पर सुरभि बाजार में सर्व समाज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह हुआ।

समारोह में पालिका क्षेत्र के सर्व समाज और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। समाज अध्यक्ष खोड़निया एवं पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत कर उपहार भेंट किए। समारोह में उपखंड अधिकारी मणिलाल तिरगर, तहसीलदार डॉ. समेशचंद्र बडेरा, पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया, डिप्टी विक्रमसिंह, पालिका उपाध्यक्ष राजू शेख, कीर्ति सर्राफ, महेशचन्द्र सेठ राजमल शाह, नटवरलाल मुंशी सहित जैन समाज के वरिष्ठजन मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए दिनेश खोड़निया ने कहा कि, आज सर्वसमाज के बीच दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सर्व समाज मिलकर स्नेह बांट रहे है। खोडनिया ने कहा कि सामाजिक एकजूटता, सौहार्द, भाईचारे और समरसता के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।

यदि 36 कौम एकजूट रहेंगे तो समाज भी उत्थान करेगा और क्षेत्र भी। एकजुटता कल्पना मूर्त रूप लेगी। एक दूसरे के प्रति भाईचारा सामाजिक ताने-बाने का संवारेगा भी और मजबूती भी देगा। समारोह में मौजूद सर्वसमाज ने सामूहिक रूप से नूतन वर्ष का अभिनंदन किया और दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में वालजी पाटीदार, वेलजी प्रजापत, डायालाल पाटीदार, राजू माली, धर्मेंद्र सुत्रधार, लोकेश सोमपुरा, रमाकांत भावसार, पूर्व पार्षद संतोष भोंई, तुलसीराम सेवक, डायालाल भट्ट, हरीश जोशी, गोरधन दर्जी, महेश सेठ. जयेश भाटिया, देवीलाल पंचाल, मुकेश सोनी, नवनीत सोनी, नानूलाल पटेल, मुकेश भोई, जयंतीलाल मोची, संजय गुप्ता, प्रकाश खटीक, प्रभुलाल, विनोद बुनकर, मगन यादव, लोकेश, जीवनलाल पाटीदार, केपी सिंह, पंकज महाराज, प्रेमचंद, मोहनलाल भगोरा, जाकिर सीमलवाड़ा, जयप्रकाश गर्ग, अजू भाई, मुकेश तेली, प्रदीप कंसारा, नगीनलाल जैन, अशोक जैन, नवीन महाराज, ध्यानीलाल कंसारा, अशोक जैन, संजय सारगिया, महिला महासभा की अध्यक्ष साधना कोठारी, निलेश संघवी, कुतुबद्दीन कोठी, बदामीलाल खोड़निया सहित सर्व समाजजन मौजूद रहें।

तो क्या कडाणा प्रकरण के चलते डूंगरपुर कलेक्टर का बहुत ही कम समय में हुआ ट्रांसफर ?

कडाणा की ज़मीन की ख़रीद फ़रोख़्त का मामला- राजनीतिक रसूख़ के चलते अब भी पर्दे के पीछे के लोगों की सच्चाई नहीं आ पाई सामने

सागवाडा। जी हाँ सागवाडा शहर के बहुचर्चित कडाणा की भूमि के ख़रीद फ़रोख़्त के मामले में अब जाँच ठंडे बस्ते में चली गई है। इस प्रकरण का खुलासा करने वाले कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव बहुत ही कम समय में डूंगरपुर से प्रतापगढ़ ट्रांसफर कर दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कडाणा भूमि के पूरे प्रकरण के मामले में कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने सख़्ती बरती थी और इसे सख़्ती का नतीजा था कि उन्होंने तत्कालीन तहसीलदार, गिरदावर व पटवारी को निलंबित करते हुए उनके ख़िलाफ़ जाँच के आदेश दिए। इन अधिकारियों का निलंबन रद्द कर दिया गया था लेकिन के उनके खिलाफ़ जाँच चल रही है। मामला पुलिस थाना में भी दर्ज है। बताया जा रहा है कि तत्कालीन कलेक्टर डॉ. यादव इस पूरे प्रकरण को लेकर काफ़ी नाराज़ थे। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण के पीछे के राजनैतिक रसूखदार लंबे समय से कलेक्टर को हटाने के प्रयास में थे। इधर, इस पूरे प्रकरण में सागवाडा पुलिस अभी तक कोई बड़ा खुलासा नहीं कर पाई है। जिन लोगों को इस मामले में पूछताछ के लिए गिरफ़्तार किया गया था उनसे भी कोई राज उगलवा नहीं पाई है। बताया जा रहा है कि सागवाडा पुलिस भी राजनीतिक दबाव के चलते इस प्रकरण में अब तक कोई बड़ा खुलासा नहीं कर सकीहै। सागवाडा नगर कि इस बेशक़ीमती भूमि को कूट रचित दस्तावेज़ के माध्यम से ख़रीद फ़रोख़्त करने के मामले में अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि राजस्व विभाग का फ़र्ज़ी आदेश को लाया था।उल्लेखनीय है कि कडाणा विभाग की ज़मीन के ख़रीद फ़रोख़्त के मामले में कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से भूमि हड़पने को लेकर सागवाडा थाने में एफ़आइआर दर्ज की गई थी। जिसमें ज़मीन बेचने वाली दोनों बहनें नजमा और फातेमा और हरि सिंह के खिलाफ़ मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में अब तक नजमा वह फातेमा को पुलिस गिरफ़्तार कर चुकी है और पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेजा था। साथ ही इस मामले में गवाह और एक बिचौलियों को भी पुलिस ने पकड़ा था। इन गिरफ्तारियों के बाद भी इस मामले में कोई बड़ा खुलासा नहीं हो पाया था ऐसे में पुलिस हरिसिंह का इंतज़ार कर रही थी कि उससे पूछताछ में कुछ खुलासा हो पाएगा लेकिन कोर्ट के आदेश के चलते पुलिस न तो हरि सिंह को गिरफ़्तार कर सकती है और ना ही पूछताछ। इसके बाद से इस मामले में अब तक कोई बड़ा अपडेट सामने नही आया है।

इस मामले में पर्दे के पीछे कौन है इसे लेकर संशय बना हुआ है। इधर पूर्व कलेक्टर डॉ.यादव की कार्यप्रणाली को लेकर ज़िले में उनकी प्रशंसा हो रही थी। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे थे लेकिन बहूत ही कम समय में उनकी स्थानांतरण डूंगरपुर ज़िले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया आज सागवाडा में

डूंगरपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया 30 अक्टूबर को वागड़ दौरे पर रहेंगे।

वे सागवाडा कालिका माता मंदिर कंसारा समाज मडकोला में दोपहर 1 बजे दीपावली स्नेह मिलन समारोह में भाग लेंगे व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 1 नवंबर को मानगढ़ धाम यात्रा को लेकर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम में सभी प्रदेश पदाधिकारी, वरिष्ठजनों, जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, नगर निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधान, उपप्रधान, भाजपा पदाधिकारी, मोर्चो, मंडलो के कार्यकर्ता, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पार्षद, बुथ के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

युवक की हत्या मामले में चार दिन बाद हुआ शव का पोस्टमार्टम

चार दिन से चल रही थी समझोता वार्ता, पुलिस आरोपियों की कर रही तलाश

डूंगरपुर। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के बिलपन गूंदीकुआं गांव में आपसी विवाद के चलते हुई युवक की हत्या के मामले में चार दिन बाद शव का पोस्टमार्टम हो पाया। चार दिन से चल रही समझोता वार्ता व पुलिस की समझाईश के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। इधर पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। वही पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुटी है। डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थानाधिकारी अनिल देवल ने बताया की छापी निवासी लोकेश पुत्र हरीश मोलात ओर उसका भाई जितेंद्र मोलात दोनों दिवाली के दिन 24 अक्टूबर को बिलपण गांव की और गए थे। उसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर बिलपण गूंदी कुंआ निवासी ईश्वर भगोरा समेत उसके परिवार और सहयोगियों ने मिलकर दोनों पर हमला कर दिया। हमले के डर से जितेंद्र भाग गया। जबकि हमलावरों ने लोकेश को बंधक बना लिया। इसके बाद जितेंद्र अपने घर गया, जहा भाई सुरेश मोलात को घटना के बारे में बताया। इस पर दोनों भाई बिलपण गए। जहा ईश्वर और उसके साथियों ने मिलकर दोनों भाईयो से मारपीट की।

तलवार और अन्य धारदार हथियारों से हमले में दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। उसके हाथ - पैर और सिर कई जगहों पर चोटें आई। इसके बाद हमलावरों ने बंधक लोकेश के साथ भी मारपीट करते हुए छोड़ दिया। गंभीर घायल सुरेश और जितेंद्र को लेकर गुजरात के मोडासा अस्पताल गए थे। जहा इलाज के दौरान सुरेश ने 25 अक्टूबर को देर शाम को दम तोड दिया था। इसके बाद परिजन शव को लेकर डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे थे। शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया था। उसके बाद परिजन शव को रखकर बिना पोस्टमार्टम करवाए अपने गाँव लौट गए थे।

प्रदेशभर की महिला व पुरुष की 36 टीम ले रही भाग

29वीं राज्य स्तरीय सीनियर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज

डूंगरपुर। जिले में टेनिस बोल क्रिकेट संघ डूंगरपुर व नगरपरिषद की ओर से आज 29 वी राज्य स्तरीय सीनियर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज शहर के लक्ष्मण मैदान में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव ने किया। तीन दिवसीय महिला व पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता में प्रदेश भर से 36 टीम भाग ले रही है। जिसमे 20 टीम पुरुषो की वही 16 टीम महिला वर्ग की है।

डूंगरपुर शहर के लक्ष्मण मैदान में 29 वी राज्य स्तरीय सीनियर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एससी वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव रहे। वही समारोह में नगरपरिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ भी शामिल हुए। निस बोल क्रिकेट संघ डूंगरपुर व नगरपरिषद की ओर से आयोजित हो रही तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में राजधानी जयपुर सहित राजस्थान के 20 जिलों से 36 टीम भाग ले रही है। जिसमे 20 टीम पुरुषो की वही 16 टीम महिला वर्ग की है।

राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव व सभापति अमृतलाल कलासुआ ने बल्लेबाजी करते हुए प्रतियोगिता का आगाज किया। वही इस मौके पर राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव ने उद्घाटन समारोह को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में डॉ यादव ने कहा की खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने कहा की खेल में जात-पात नही होता सिर्फ टीम होती है ऐसे में उन्होंने खिलाडियों से अच्छा खेल खेलने, अनुशासित रहने और अपने खेल के माध्यम से अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने का आव्हान किया ।

वही डॉ यादव ने कहा की राज्य सरकार खिलाड़ियों को लेकर संवेदनशील है। सरकारी नोकरी में आरक्षण सहित अनेक सुविधाए दे रही है।

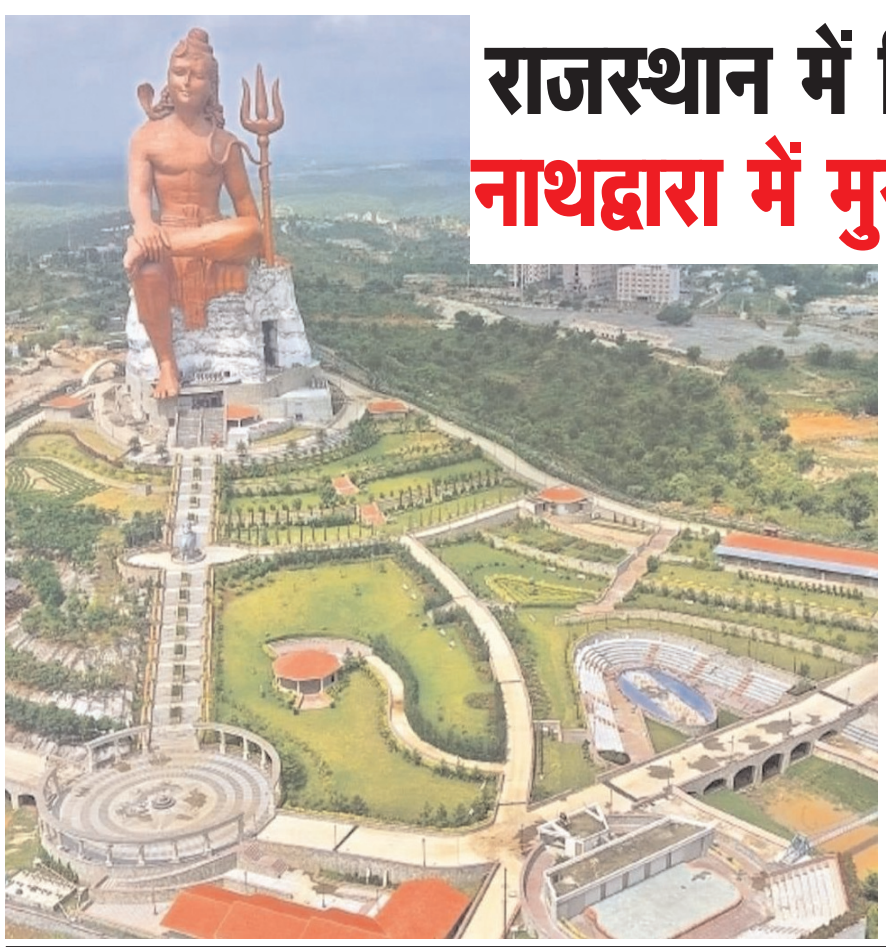

राजस्थान में विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा लोगों को समर्पित

नाथद्वारा में मुरारी बापू की रामकथा शुरू

जयपुर। राजस्थान में विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ बिलीफ' आम लोगों के लिए समर्पित कर दी गई। शनिवार शाम को राम कथावाचक मुरारी बापू के हाथों इसका लोकार्पण किया गया। इस मौके पर बापू के अलावा, सीएम अशोक गहलोत, योगगुरु बाबा रामदेव भी मौजूद रहे। इसका निर्माण तत पदम् उपवन संस्थान नाथद्वारा के ट्रस्टी मदन पालीवाल की ओर से करवाया गया है। यह एकमात्र ऐसी शिव प्रतिमा है, जिसमें 4 लिफ्ट के साथ इसकी ऊंचाई पर जाने के लिए 700 सीढ़ियों का निर्माण करवाया गया है।

51 बीघा परिसर में इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। खास बात यह है कि इस प्रतिमा के 20KM दूर से भी दर्शन हो सकेंगे। इस प्रतिमा के लिए मुरारी बापू शुक्रवार शाम नाथद्वारा पहुंचे। मदन पालीवाल और उनके परिवार की ओर से बापू का स्वागत किया गया। इसके बाद शनिवार सुबह बापू श्रीनाथ जी के दर्शन करने पहुंचे।

सीएम ने मुरारी बापू से रिक्वेस्ट की

मदन पालीवाल ये जो गुटखे का बिजनेस करते हैं। उसे छुड़वा दीजिए सीएम अशोक ग्रह ने मुरारी बापू से कहा- आज तो आपकी कथा सुनेंगे। हम तो राजनीति में काम करने वाले लोग हैं। मैं आपसे काफी प्रभावित हूं। मैं पहले भी नाथद्वारा आया था। मैं आपसे एक रिक्वेस्ट करना चाहता हूं। मदन पालीवाल ने सेवा के रूप में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन ये जो गुटखे का बिजनेस करते हैं। उसे छुड़वा दीजिए। ये आपकी आज्ञा से ही छोड़ेंगे। हमारे कहने से नहीं। मैं कई बार कह चूका हूं। ये तंबाकू का धंधा छोड़ दो। ये मानते ही नहीं है। इनकी गलती नहीं है। आपके आदेश को मानेंगे।

यहां 'श्रीनाथ से मिलने के लिए विश्वनाथ आए हैं'

मुरारी बापू ने भये प्रकट कृपाला का उच्चारण करते हुए इस मौके पर कहा- हालांकि यह पंक्तियां भगवान राम के लिए प्रयुक्त हुई है, लेकिन यहां यह पंक्तियां भगवान शिव के लिए प्रयोग करना चाहूंगा। बापू ने कहा कि यहां निमित्त और निर्मित दोनों महादेव है। विश्वनाथ यहां भूमि से नही बल्कि आसमान से उतरे हैं। इसकी सबसे ज्यादा खुशी व्यासपीठ को है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा के केन्द्र में विश्वास स्वरूप है। गुरु की कृपा और दृष्टि से इसमें 12 स्वरूपों के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि यहां श्रीनाथ से मिलने के लिए विश्वनाथ आए हैं, रसराज से मिलने के लिए नटराज आए हैं। गिरिराज धारी यहां विराजित है और गंगाधारी मिलने आए हैं। मुरारी बापू ने व्यासपीठ से कहा कि गुरु की पूजा में पंच देवों की पूजा हो जाती है। गुरु हमेशा हमारे साथ चलता है। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस के सात मंत्रों में प्रथम मंत्र में मंगला चारण है। विश्वास स्वरूपम् जो शिव जी का स्वरूप है। हम मंगला चरण में दो मंत्रों का आश्रय करके महादेव का अभिषेक करेंगे। इस लोकार्पण कार्यक्रम को बापू ने विश्वार्पण नाम दिया। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा विश्व को अर्पण है, इसलिए यह विश्वार्पण है।